



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 8]
No. 8]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 28, 1983/पीष 7, 1905
NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 28, 1983/PAUSA 7, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचनाएं

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर, 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/11/एस० आर०-1/
3-83/10139 :—अतः मुझे, सुधीर चन्दा आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्
'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन
सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
म्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है और जिसकी संख्या 1903, है तथा जो
चान्दनी चौक, दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1983,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तराल के दायित्व में कमी करने
उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आि-
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 19
(1922 का 11) या आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर 3.
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयो-
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था।
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लि

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती बिमला रानी, पत्नी श्री दुर्गा प्रसाद,
निवासी-838, चान्दनी चौक, दिल्ली-110006
(अन्तरक)
2. श्रीमती सरोज गुप्ता सुपुत्री स्व० श्री एल० रामेश्वर दास,
पत्नी श्री ओम प्रकाश, निवासी-1493, कुचा सेठ
दरीबा कलां, दिल्ली (अन्तरिती)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी..... (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)
.....
.....
.....
4. श्री/श्रीमती/कुमार..... (वह व्यक्ति जिसके
बारे में अधोहस्ताक्षरी
..... जानता है कि वह
..... सम्पत्ति में हितबद्ध है)
.....
.....

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय दिया गया है।

अनुसूची

प्रीमिसेज स्टेयर नं० 1903, चान्दनी चौक, दिल्ली, कमन स्टेयर जो सोप नं० 1904 और 1905 के बिच बनी हुई है, ताबादी 103.52 वर्ग गज।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES) NOTICES UNDER SECTION 269 D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

Office of Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range II

New Delhi, the 26th December, 1983

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/3-83/10139.—
Whereas I, Sudhir Chandra being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 1903, situated at Chandni Chowk, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at on March, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Bimla Rani W/o Sh. Durga Prashad
r/o 838, Chandni Chowk, Delhi-6.
(Transferor)
- (2) Smt. Saroj Gupta D/o late L. Rameshwar Dass W/o Sh. Om Prakash r/o 1493, Kucha Seth, Dariba Kalan, Delhi.
(Transferee)

(3) Shri/Smt./Km —, (Person(s) in occupation, of the property

(4) Shri/Smt./Km.—(Person(s) whom the —, undersigned know, to be —, interested in the property)

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the Official Gazette :

Explanation :—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the premises having approach through stair cases No. 1903, Chandni Chowk, De another common stair case between shop 1904 and 1905, leading to the first floor ing 103.52 sq. yds., as per plan.

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एनयू०/11/एस०आर०—10132 —अतः मुझे, सुधीर चन्दा आयकर अधिनियम (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'नियम' कहा गया है) की धारा 269 के अधिकांशी का, यह विश्वास करने का कारण है सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 अधिक है और जिसकी सख्या 1903, है तथा चौक, दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1983, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन

कर देने के अन्तराल के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती विमला रानी पत्नी श्री दुर्गा प्रसाद, निवासी-838, चान्दनी चौक, दिल्ली-6 (अन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश गुप्ता सुपुत्र श्री सूरज मल, निवासी-43/1, राजपुर रोड, दिल्ली-54, कर्ता और द्वारा ओम प्रकाश एड मन्स (एच-यू-एफ) (अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी . . . (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी . . . (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जाना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।

(क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय

20-क मे यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रीमिसेज स्टेयर न० 1903, चान्दनी चौक, दिल्ली, और
कुसरा कमन स्टेयर जो शाप न० 1904 और 1905 के
बीच बना हुआ है, तादादी 135.60 वर्गगज।

सुधीर चन्द्रा, सशम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II दिल्ली, नई दिल्ली-110002

[फा०स० 316ए/340/83-डब्ल्यूटी]

ए०आर० नाटाराजन, अपर सचिव

Ref. No. IAC|Acq|II|SP-1|3-83|10132.—
Whereas I, Sudhir Chandra being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 1903, situated at Chandni Chowk, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at on March, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice

under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Bimla Rani W/o Sh. Durga Prashad
r/o 838, Chandni Chowk, Delhi-6.
(Transferor)
- (2) Shri Om Prakash Gupta S/o Sh. Suraj
Mal r/o 43/1, Rajpur Road, Delhi-54,
Karta on behalf of Om Prakash & Sons
H.U.F.
(Transferee)
- (3) Shri/Smt./Km.——, (Person(s) in occupation....., of the property)
- (4) Shri/Smt./Km.——(Person(s) whom the
——, undersigned knows to be
——, interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the Official Gazette :

Explanation :—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the premises having approach through the staircase No. 1903, Chandni Chowk, Delhi & another common staircase between the shop No. 1904 & 1905 ending to the first floor mg. 135.60 sq. yds. and one half on third floor (built on above of first floor)

SUDHIR CHANDRA, Competent Authority

(Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax) Acquisition Range II Delhi|New Delhi.

[F. No. 316A|340|83-WT]
A. R. NATARAJAN, Addl. Secy.